दैनिक यशोभूमि
मुंबई | शनिवार, 23 मई 2026

दंड नहीं, जागरूकता से बढ़ेगी औद्योगिक सुरक्षा

यशोभूमि/प्रतिनिधि

मुंबई। एमवीआईआरडीसी वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई और ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, भारत के सहयोग से 'उद्योगों में सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका' विषय पर ज्ञान सत्र का

सुरक्षा को दंडात्मक नहीं, प्रगतिशील संस्कृति बनाएं

उद्योग जगत से किया आह्वान

आयोजन किया। कार्यक्रम में उद्योगों में सक्रिय और जागरूक सुरक्षा संस्कृति विकसित करने पर जोर दिया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, भारत के महानिदेशक डॉ. ललित आर. गभाणे ने मुख्य वक्तव्य में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा माह 2026 की थीम 'सुरक्षा प्रदर्शन बढ़ाने के लिए सहभागिता, शिक्षा और सशक्तीकरण' को हर कार्यस्थल की मूल संस्कृति बनाना होगा।

उन्होंने कहा कि व्यावसायिक कारणों से हर घंटे एक हजार से अधिक श्रमिकों की मृत्यु हो रही है, इसलिए उद्योगों को केवल नियमों के पालन तक सीमित न रहकर जागरूकता, प्रशिक्षण और रोकथाम पर ध्यान देना चाहिए। डॉ. गभाणे ने कहा कि लगभग 88 प्रतिशत औद्योगिक दुर्घटनाएं असुरक्षित व्यवहार के कारण होती हैं, जबकि 10 प्रतिशत असुरक्षित परिस्थितियों और 2 प्रतिशत अन्य कारणों से होती हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा आधारित नेतृत्व से दुर्घटनाओं में 71 प्रतिशत तक कमी और उत्पादकता में 21 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है।

सुरक्षा है आवासीय संस्था की आवश्यकता

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई के अध्यक्ष तथा ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष डॉ. विजय कलंत्री ने कहा कि सुरक्षा प्रत्येक उद्योग, व्यापारिक प्रतिष्ठान और आवासीय संस्था की प्राथमिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा को दंडात्मक दृष्टिकोण से हटाकर प्रगतिशील और साझा जिम्मेदारी की संस्कृति के रूप में विकसित करना होगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा विनिर्माण, निर्माण, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, सेवा क्षेत्र तथा सुरक्षा क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के लिए सुरक्षा पुरस्कारों की जानकारी भी दी गई। अंत में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई की व्यापार एवं निवेश संवर्धन निदेशक प्रिया पनसारे ने धन्यवाद ज्ञापित किया।